कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (KU)** के कुलपति ने KU में **मिशन LiFE अभियान** के तहत मैराथन, जागरूकता सह प्रदर्शनी और विस्तार व्याख्यान का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु:

- इस अवसर पर कुलपति ने **इको क्लब की गतिविधियों का भी विधिवत उद्घाटन किया और सभी को मिशन LiFE की शपथ दिलाई।**
- मिशन LiFE भारत को आत्मनिर्भर और प्रकृति के करीब बनाने हेतु एक जन आंदोलन साबित हो रहा है।
    - वर्ष 2021 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से विश्व को पर्यावरण जीवनशैली का मंत्र दिया।
- कार्यक्रम का आयोजन **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पर्यावरण संबंधी जानकारी, जागरूकता, क्षमता निर्माण तथा आजीविका कार्यक्रम (EIACP)** के सहयोग से वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर भारत एवं KU के संयुक्त तत्त्वावधान में किया गया था।
- आगे छात्र अर्थ ऑवर कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे और विश्व अभियान का हिस्सा बनेंगे।
    - अर्थ ऑवर WWF की वार्षिक पहल है जो **वर्ष 2007 में शुरू हुई थी।**
    - यह **180 से अधिक देशों** के लोगों को अपने स्थानीय समय के अनुसार रात **8.30 बजे से 9.30 बजे तक लाइट बंद करने** के लिये प्रोत्साहित करता है।

वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (WWF)

- यह **विश्व का अग्रणी संरक्षण संगठन** है और 100 से अधिक देशों में कार्य करता है।
- यह **वर्ष 1961 में स्थापित किया गया था** और इसका मुख्यालय ग्लैंड, स्विट्ज़रलैंड में है।
- इसका **मिशन प्रकृति के संरक्षण** और पृथ्वी पर जीवन की विविधता के लिये **सबसे अधिक दबाव वाले खतरों को कम करना।**

पर्यावरण संबंधी जानकारी, जागरूकता, क्षमता निर्माण और आजीविका कार्यक्रम (EIACP)

- EIACP प्रोग्राम सेंटर रिसोर्स पार्टनर "वन्यजीव और संरक्षित क्षेत्र", भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून जिसे पहले ENVIS के नाम से जाना जाता था, **सितंबर 1997 में भारत में 23वें पर्यावरण सूचना प्रणाली (ENVIS) केंद्र** के रूप में स्थापित किया गया था।
- कार्यक्रम केंद्र अपने निर्दिष्ट विषय क्षेत्र पर सभी सूचनाओं, प्रकाशनों और अन्य मूल्य वर्धित उत्पादों का भंडार है; डेटाबेस बनाए रखना; पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निर्देशानुसार जन जागरूकता अभियान तथा कार्यक्रमों सहित पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का संचालन करना।

मिशन LiFE: लाइफस्टाइल फॉर द एनवायरनमेंट (P3 मॉडल यानी Pro Planet People को प्रोत्साहन)

परिचय

- इस विचार/अवधारणा को भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2021 में ग्लासगो में 26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP26) के दौरान प्रस्तुत पेश किया गया था।
    - **LiFE वैश्विक आंदोलन** विश्व भर के शिक्षाविदों, शोधकर्त्ताओं और स्टार्ट-अप्स को उन तरीकों पर विचार करने हेतु आमंत्रित करता है जिनसे पर्यावरण संकट का समाधान करने के लिये सामूहिक कार्रवाई की पूरी क्षमता का उपयोग किया जा सकता है।
- **मिशन LiFE (पर्यावरण के लिये जीवन शैली)** की शुरुआत गुजरात के केवड़िया (जहाँ स्टैच्यू ऑफ यूनिटी स्थित है) से की गई है।
- **वर्ष 2022-28 की अवधि** में पर्यावरण संरक्षण के लिये व्यक्तिगत और सामूहिक कार्रवाई हेतु कम-से-कम एक बिलियन भारतीयों तथा अन्य वैश्विक नागरिकों को जुटाना।
    - भारत में ही सभी गाँवों और शहरी स्थानीय निकायों में से कम-से-कम 80% लोगों को वर्ष 2028 तक एनवायरनमेंट फ्रेंडली बनाने का लक्ष्य रखा गया है।
- **नीति आयोग द्वारा संचालित तथा केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित।**

UNEP के अनुसार, यदि विश्व भर में 8 बिलियन में से 1 बिलियन व्यक्ति भी अपने **दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार को अपना लें तो वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में 20% है तक की कमी हो सकती है।**

दृष्टिकोण

- **व्यक्तिगत व्यवहार पर केंद्रित**
- **विश्व स्तर पर सह-निर्माण**
- **स्थानीय संस्कृतियों का लाभ उठाना**

भारत द्वारा स्थापित उदाहरण

- **स्वच्छ भारत मिशन (SBM)** के क्रियान्वयन से 7 वर्षों की अवधि के भीतर ग्रामीण भारत में 100 मिलियन से अधिक शौचालयों का उपयोग किया गया।
- **उज्ज्वला योजना** के चलते वर्ष 2021 में LPG कनेक्शन वाले परिवारों की संख्या 99.8% तक पहुँच गई जो कि वर्ष 2015 में 62% थी ।
- विद्युत की खपत को कम करने वाले अनुकूली वास्तुशिल्प रूप जैसी पारंपरिक भारतीय प्रथाएँ और पादप आधारित खाद्य पदार्थ तथा कदन्न/मोटे अनाज (Millets) के लिये आहार वरीयता LiFE के लिये आधार के रूप में काम कर सकती हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/environmental-awareness-event-at-kurukshetra-university